

बगीचे की रौनक

नीचे लिखी कविता को ध्यान से पढ़कर खाली स्थान भरो।

बगीचे में जब बयार चली,  
महक उठी हर एक कली।  
तितलियाँ भी मस्ती में आई,  
रंगों की खुशबू संग लाई।  
फूलों से मिल हँसती जाए,  
हरियाली में खोती जाए।

प्रश्न:

- बगीचे में जब \_\_\_\_\_ चली, महक उठी हर एक कली।
- तितलियाँ भी \_\_\_\_\_ में आई, रंगों की खुशबू संग लाई।
- फूलों से मिल हँसती जाए, \_\_\_\_\_ में खोती जाए।

